

संक्षिप्त

डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ उद्घाटन

देवगढ़, (निर्सं)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दुधान, ब्लॉक कोर्डिनेटर नारायण सिंह काछबली ने पीएम श्री योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी का औपचारिक उद्घाटन किया। यह पहल छात्रों को आधुनिक डिजिटल संसाधनों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगी, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है। पीएम श्री योजना के तहत देशभर में 14,500 से अधिक स्कूलों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर एक प्रमुख हिस्सा है।इस अवसर पर , पीएम श्री विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार साल्वी, व्याख्याता अक्षय चौधरी, गोवर्धन राम , सुरेन्द्र साहू गिरधारी लाल सालवी, निर्मला तंवर, नीलम पानेरी, मनीषा गोस्वामी,नीलम निदावत, प्रदीप चौधरी,स्थानीय विद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष गजेंद्र सिंह कविया, विजयपुरा पंचायत के उप सरपंच सहित सिंह,पंचायत शिक्षक यूनस खान सहित बडी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विज्ञान मेले का आयोजन

राजसमंद,(निर्सं)।समीपवर्ती तासोल स्थित राउमा विद्यालय में बुधवार को कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान से जुड़े विविध वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडल की कार्यप्रणाली और उसमें निहित महत्व की जानकारी अन्य छात्र-छात्राओं को दी। मेला प्रभारी वरिष्ठ अध्यापिका मेधा पानेरी ने विद्यार्थियों को मॉडल निर्माण, प्रस्तुतीकरण और मार्गदर्शन प्रदान किया। विज्ञान अध्यापक मनीष औदीव्य ने क्वीज प्रतियोगिता करवाई। प्रधानाचार्य संदीप कुमार नंदवाना ने बताया कि संस्था प्रधान किशन लाल, व्याख्याता नरेंद्र जेफ, महेंद्र गौड आदि मौजूद रहे।

आम-सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम नुमागा जिला उदयपुर की खसरा संख्या 1043, 1044 में स्थित मूखण्ड संख्या 122 का विलुप्त होकर संख्या 3550 बन गई है। जिसका कार्यालय उपखण्ड अधिकारी (कृषि भूमि रूपांतरण) उदयपुर, जिला उदयपुर द्वारा आयोजित प्रोजेक्शन पत्र संख्या 1133 दिनांक 01/11/1997 से शीर्षकी पत्र पानी श्री अरु के माते के नाम जारी किया गया। वर्तमान में नमानलर दिनांक 10-01-2007 से श्री राजेश पिता श्री सोहनलाल कोठारी के नाम जारी आदेशों में दर्ज है।

जिसमें श्री राजेश पिता श्री सोहनलाल कोठारी का सर्वनाम दिनांक 29-11-2024 को हो गया। उनके वारिस श्रीमती दुर्गि कोठारी पुत्री सह. राजेश कोठारी, श्रेयाश कोठारी पिता श्री राजेश कोठारी द्वारा पंजीकृत एक त्याग पत्र दिनांक 08-09-2025 से अपने माता श्रीमती अमिता कोठारी पत्नी सह.राजेश कोठारी के पक्ष में एक त्याग गमनापत्र कर दिया गया है।

श्रीमती अमिता कोठारी पुत्री सह.राजेश कोठारी द्वारा उदयपुर विकास अधिकारी, उदयपुर में मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत एक त्याग पत्र एवं त्याग जारी प्रस्तुत कर कर वर्तमान मूखण्ड संख्या 122 का उदयपुर विकास अधिकरण, उदयपुर में अपने नाम नमानलर माहा गया है।

उक्त प्रमाण पत्र नुमागा जिला उदयपुर की खसरा संख्या 1043, 1044 में स्थित मूखण्ड संख्या 122 का विलुप्त होकर संख्या 3550 बन गया। का श्रीमती अमिता कोठारी पुत्री सह. राजेश कोठारी, पिता श्री 121, नवलन कॉमप्लेक्स, बेलवा रोड, उदयपुर के नाम नमानलर दिनांक जारी के संबंध में किस्ती ब्यांक/संसा/पत्र को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/एतखल हो तो इस सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के अन्दर इस कार्यालय में सही उद्देश्य के लिए अधोहस्ताक्षरकों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस सूचनापत्र में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर मू-उपयोग परिवर्तन बावत अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

सहित उदयपुर विकास अधिकरण, उदयपुर में अपने नाम नमानलर माहा गया है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/संख्या/संख्या	खसरा संख्या/संख्या	केन्द्रित संख्या	मूखण्ड संख्या	मू-उपयोग परिवर्तन
1	श्री श्रीमती प्रह्लाद साहिबा	सहिबा	145 से 149	154 से 162/2	163 से 172	मू-उपयोग परिवर्तन

उक्त प्रमाण पत्र मू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस सूचनापत्र में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर मू-उपयोग परिवर्तन बावत अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/संख्या/संख्या	खसरा संख्या/संख्या	केन्द्रित संख्या	मूखण्ड संख्या	मू-उपयोग परिवर्तन
1	श्रीमती संख्या साहिबा	सहिबा	155 से 157	163/2 से 172	163 से 172	मू-उपयोग परिवर्तन

उक्त प्रमाण पत्र मू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस सूचनापत्र में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर मू-उपयोग परिवर्तन बावत अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

‘वागड़ की भूमि शिक्षा के साथ खेल में परचम लहरा रही’

बांसवाड़ा, (निर्सं)। वागड़ की भूमि शिक्षा के साथ खेल में भी देश-विदेश में परचम लहरा रही है। उक्त उद्गार सेवानिवृत्त उपनिदेशक महेंद्र कुमार त्रिवेदी ने खेल स्टेडियम में भारती विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से आयोजित बैडमिंटन टकरा तथा रोलर स्केटिंग के समापन अवसर पर व्यक्त कियाे उन्होंने कहा कि वागड़ भूमि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिता में भी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है लेकिन अभी प्रोत्साहन की जरूरत है तैराकी प्रतियोगिता में भी हम पीछे हैं। इसके लिए भी बच्चों को प्रोत्साहन देकर अग्रिम कदम उठाए जाएं।

विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् शांतिलाल सेठ ने कहा कि खिलाड़ी अपने जीवन में खेलों से संयम, हौंसला, अनुशासन व राष्ट्र की भावना से परिित होकर खेले और नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का नाम खेल से जाना जाता है अतः खेल उसकी नस-नस में बसा हो। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाशिक्षाअधिकारी डायलाल जोशी ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है एवं वह इसकी कड़ी परीक्षा देने के लिए हर पल तैयार रहता है चाहे मानसिक रूप से हो या शारीरिक रूप से लेकिन वही कभी हार नहीं मानता है और उसके लिए

फार्मासिस्ट की भूमिका के प्रति किया जागरूक



विश्व फार्मासिस्ट दिवस में छात्रों ने उत्साह से भाग लिया।

उदयपुर, (कासं)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गीतांजलि यूनिवर्सिटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत एक जागरूकता रैली से हुई। रैली के समापन पर विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें समाज को दवाओं के सुरक्षित उपयोग और फार्मासिस्ट की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में गीतांजलि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ.

राकेश व्यास, प्रबंध निदेशक अनिल के. व्यास, एवं गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. एम.एस. राठीरउपस्थित रहे। इस दौरान वाइस चांसलर और एम.पी. ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। वहीं प्राचार्य डॉ. राठीर ने छात्रों को फार्माकोविजिलेंस और एडवर्स ड्रग रिपणेशन के हदय के बारे में समझाया। संचालन डॉ. चेतन मालवीय, डॉ. अराध्य उपाध्याय और डॉ. आफताब आलम ने किया।

गोद भराई रस्म में उमड़ी भीड़

डूंगरपुर, (निर्सं)। दिगम्बर जैन समाज कि ओर से महावीर नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन चैत्यालय मंदिर में दीक्षाथी ब्रह्मचारी विकास में दीक्षाथी ब्रह्मचारी उमंग भैया, ब्रह्मचारी पंकज भैया, ब्रह्मचारी प्रकाश भैया की गोद भराई रस्म में समाज के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। गोद भराई रस्म के दौरान जयकारों के बीच मंगलगान होता रहा। गोद भराई कि रस्म के बीच प्रातः ब्रह्मचारियों के

सनिध्य में पंचामृत एवं शांति धारा की श्रुति धारा एवं पंचामृत के लाभार्थी नाथी देवी खेरपारज,अनीता देवी सुभाष चंद्र दोशी भैया वालों ने लिया व भैया,बाल ब्रह्मचारी उमंग भैया, ब्रह्मचारी पंकज भैया, ब्रह्मचारी प्रकाश भैया की गोद भराई रस्म में समाज के श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मौलारचण कनिष्ठा जैन ने किया दीक्षार्थियों की दीक्षा 3 नवंबर जयपुर में आचार्यश्री सुंदर सागर गुदेव के

उदयपुर, (कासं)। जिला स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन गुरूवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता के निदेशन में नगर निगम के सुखाडिया रंगमंच सभागार में हुआ। कार्यक्रम के दौरान बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति मेंआयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया। साथ ही जिले के नवनि्युक्त 7०3 कार्मिकों का अभिनंदन करते हुए एडवर्स ड्रग रिपणेशन के हदय के बारे में समझाया। संचालन डॉ. चेतन मालवीय, डॉ. अराध्य उपाध्याय और डॉ. आफताब आलम ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन तथा

विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक जैन ने कहा किमुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार कर रही है। एक के बाद एक भर्तियों टाइमलाने के अनुसार पत्र करारकर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्नति के शिखर की ओर अग्रसर हो रहा है। प्रधानमंत्री बांसवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम से देश को परमाणु बिजली घर

जागड़ता कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर, (कासं)।भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर की ओर से ग्राम पंचायत रामा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छोत्सव 2025, जीएसटी बचत उत्सव एवं केंद्र सरकार की बिम्बर जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा करते हुए जीएसटी बचत उत्सव के बारे में उपस्थित जनसमूह को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा की 22 सितम्बर से जी.एस.टी. की नई दरें लागू होने के कारण रोजगारं की वस्तुओं के दाम कम हुए हैं। केंद्र सरकार ने 12 व 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब को खत्म कर अब केवल 5 व 18 प्रतिशत के दो टैक्स स्लैब को ही रखा है।

कार्यक्रम में विभाग के क्षेत्रीय प्रचार सहायक रवि कुमार योगी ने विभाग की

नाबालिग की संदिग्धावस्था में मौत

कपासन, (निर्सं)। अर्पण नगर में 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। किशोरी पिछले 10 सालों से अपनी मौसी के साथ रह रही थी। घटना के दिन मौसी सरकारी नौकरी पर गई थी और किशोरी घर पर अकेली

थी। मौसाजी जब घर पहुंचीं तो किशोरी कमरे में बेहोश पड़ी मिली। उन्होंने तुरंत परिवार को सूचित किया। किशोरी को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उप जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित

कर दिया। एसआई शंकर लाल ने बताया कि मृतका के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें हत्या की आशंका जताई गई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जिस कमरे में किशोरी मिली, उसे सील कर दिया है।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

डूंगरपुर, (निर्सं)। डूंगरपुर ब्लॉक के राउमावि बलवाडा की मेजबानी में यहां स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार से आयोज्य जिला स्तरीय बैडमिंटन 17 व 19 वर्ष छात्र-छात्राड खेल्कूद प्रतियोगिता गुरुवार को संपन्न हुई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने खिलाडियों को संसाधनों के अभावों के बावजूद अपने लक्ष्य से ना भटकने और सोच को बडी रखते हुए जुनून और समर्पण से बडे लक्ष्य हासिल करने को कहा। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजय प्राप्त करने वाले खिलाडियों को बधाई और सभी प्रतिभागियों को कडी मेहनत और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल हमें अनुशासन, टीम वर्क और निष्पक्ष प्रतियर्था की भावना सिखाते है। इस दौरान उन्होंने विधाक मद्द से राउमावि बलवाडा में दो कक्षा कक्षों के निर्माण कराए जाने की भी घोषणा की। समारोह की अध्यक्षता डूंगरपुर प्रधान कांता देवी कोटेड ने की। समारोह में उप जिला प्रमुख सुरता परमारए सरपंच बलवाडा नाराम बरंडा, जिपस गुलशन मनात, वाई पंच जयंतिलाल, समाजसेवी राजेंद्र कलासुआ, भूपेश कोटेड, रीना, भामाशाह अंजना पंड्या, सीबीईओ निशा परमार डूंगरपुर,विश्व मसिंह अतिथि के रूप में मंचासीन थे। प्रारंभ में संयोजक सोहनलाल मीणा व प्रधानाध्यपक रणेश तावत ने स्वागत भाषण दिया। विद्यालय की बालिकाओं द्वारा आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)					
क्रमक/न.प.न./सं.संख्या			दिनांक- 25/9/2025		
निम्न आवेदनकर्ता द्वारा अपने मुख्यालय को धारित होने के आधार पर अपने नाम पर नामांकन करि ज्ञेय होने हेतु आवेदन आवेदन प्रस्तुति किया गया है:-					
क्र.सं.	आवेदक का नाम / पिता का नाम / दस्तावेज	राजस्व ग्राम / पिता का नाम / दस्तावेज	खसरा संख्या / पिता का नाम / दस्तावेज	खसरा संख्या / पिता का नाम / दस्तावेज	खसरा संख्या / पिता का नाम / दस्तावेज
1.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
2.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
3.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
4.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
5.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
6.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
7.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
8.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
9.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
10.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
11.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
12.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
13.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
14.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
15.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
16.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
17.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
18.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
19.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
20.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
21.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
22.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
23.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
24.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
25.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
26.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
27.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
28.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
29.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
30.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
31.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
32.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
33.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
34.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
35.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
36.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
37.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
38.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
39.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
40.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
41.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
42.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
43.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
44.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
45.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
46.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
47.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
48.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
49.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
50.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
51.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
52.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
53.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
54.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
55.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
56.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
57.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
58.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
59.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
60.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
61.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
62.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
63.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
64.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
65.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
66.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
67.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
68.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
69.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
70.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
71.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
72.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
73.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
74.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
75.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
76.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
77.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
78.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
79.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
80.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
81.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
82.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
83.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
84.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
85.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
86.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
87.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
88.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
89.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
90.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
91.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
92.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
93.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
94.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
95.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
96.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
97.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
98.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
99.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा
100.	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा	श्री देवी शंकरा

अतः उपरोक्तमसुधार के अनुसार खसरा व धारित होने के आधार पर नामांकन प्र जारी करने के संबंध में प्रत्येक व्यक्ति/संस्था/वर्ग को निम्नलिखित प्रकरण की श्रेणी में आवेदन/प्रस्ताव होने से पूर्व को अपनी आवेदन पत्र आधारित सहित उक्त मुख्यालय प्रमाणित करने के प्रमाणन से पूर्व दिवस की तिथि में उक्त कार्यालय में संबंधित शाखा के अवरुद्ध धारित नामांकन में धारित प्रमाणित करने के प्रमाणन के अनुसार प्रमाणित करने के प्रमाणन को प्रमाणित करने के प्रमाणन के अनुसार